manish -pilkha bhoomi sursjpur mastar 026 jan_manish 30-04-2026 14:37 Page 1

पिलखा भूमि

ईमेल:—manishvaidy538@gmail.com
PRGI.Reg.-CHHHIN/2023/88305

वर्ष 02 अंक 19 सूरजपुर से प्रकाशित हिंदी मासिक मई 2026 पृष्ठ 4 मूल्य 5 संपादक - मनीष वैद्य

तपती धूप से नौनिहालों को बचाने की कवायदरू मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर आंगनबाड़ियों के समय में बड़ा फेरबदल

पिलखाभूमि समाचार रायपुर

प्रदेश में सूरज के तीखे तेवर और आ. समान से बरसती आग ने जनजीवन बेहाल कर दिया है। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते खतरों को देखते हुए साय सरकार ने मासूम बच्चों की सेहत को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशीलता के चलते विभाग ने प्रदेश की आंगनबाड़ियों के समय में क्रांतिकारी बदलाव का निर्णय लिया है।

अब सुबह 9 बजे होगी बच्चों की छुट्टी

मंत्री राजवाड़े के स्पष्ट निर्देश पर अब आंगनबाड़ियों के संचालन का समय 6 घंटे से घटाकर 4 घंटे कर दिया गया है। विशेष व्यवस्था के तहत 23 अप्रैल से 30 जून तक बच्चे केवल सुबह 7.00 बजे से 9.00 बजे तक ही केंद्र में उप. स्थित रहेंगे। सुबह 9.00 बजे के बाद बच्चों को सुरक्षित उनके घर पहुँचाने की जिम्मेदारी आंगनबाड़ी प्रबंधन की होगी, ताकि धूप तेज होने से पहले बच्चे अपने घर की छाँव में पहुँच सकें।

पोषण और शिक्षा पर श्नो कॉम्प्रा. `माइज

पिलखा भूमि से चर्चा में विभाग ने स्पष्ट किया कि समय कम होने का असर

बच्चों के पोषण पर नहीं पड़ेगा। निर्धारित 2 घंटों के भीतर ही बच्चों को

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा (ECCE) की गतिविधियां कराई जाएंगी।

निर्धारित मैन्यू के अनुसार गर्म भोजन और पूरक पोषण आहार का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।

दोपहर में श्दीदीश देंगी घर—घर दस्तक

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं सुबह 11रू00 बजे तक केंद्र में रहकर अपना रिकॉर्ड और अन्य शासकीय कार्य पूर्ण करेंगी। इसके पश्चात, वे घर—घर जाकर माताओं को भीषण गर्मी में बच्चों की देखभाल और पोषण संबंधी परामर्श देंगी।

मंत्री की चेतावनी लापरवाही पर होगी सीधी कार्रवाई

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जिला अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर कड़ाई से पालन हो। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्रीष्मकाल समाप्त होने के बाद 01 जुलाई से केंद्र पुनः अपने पुराने समय (9.30 से 3.30) पर लौटेंगे।

भीषण गर्मी को देखते हुए हमने बच्चों के समय में कटौती की है। हमारा लक्ष्य है कि नौनिहालों को कुपोषण से भी बचाना है और लू के प्रकोप से भी सुरक्षित रखना है।

लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग

गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाली सेल्समैन गिरफ्तार, 139 क्विंटल चावल का गबन

पिलखाभूमि समाचार अम्बिकापुर

सरगुजा जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (**PDS**) के तहत राशन दुकान से भारी मात्रा में खाद्यान्न का गबन करने वाली आरोपी महिला को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शासन को लगभग 5 लाख 51 हजार रुपये की आर्थिक क्षति पहुँचाने के इस मामले में पुलिस ने सख्त कार. `वाई की है।

खबर के मुख्य बिंदु

आरोपीरू शोभा सिंह (56 वर्ष), अध्यक्ष, समवृद्ध स्वयं सहायता समूह, दर्रीपारा।

गबन की मात्रारू 139.49 क्विंटल चावल का व्यपवर्तन (खुले बाजार में हेराफेरी)।

कुल राशिरू ₹5,51,112 (पांच लाख इक्यावन हजार एक सौ बारह रुपये)।

कार्रवाईरू थाना कोतवाली द्वारा धारा 316(5) **BNS** के तहत अपराध पंजीबद्ध।

विस्तृत समाचार

खाद्य विभाग की सतर्कता और पुलिस की मुस्तैदी से सरकारी राशन के गबन का एक बड़ा मामला उजागर हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, खाद्य शाखा कलेक्टर कार्यालय अम्बिकापुर के शिव कुमार मिश्रा ने 11 मार्च 2026 को

महामाया वार्ड स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान (क्रमांक 391001032) का औचक निरीक्षण किया था।

जाँच में खुली पोल

जाँच के दौरान पाया गया कि इस दुकान का संचालन मार्च 2015 से श्समवृद्ध स्वयं सहायता समूहश द्वारा किया जा रहा था। समूह की अध्यक्ष शोभा सिंह ही विक्रेता के रूप में कार्य कर रही थीं। भौतिक सत्यापन करने पर दुकान के स्टॉक में 139.49 क्विंटल चावल कम पाया गया। बाजार मूल्य के हिसाब से इस खाद्यान्न की कीमत 5.51 लाख रुपये से अधिक आंकी गई।

पुलिसिया कार्रवाई

खाद्य विभाग की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान आरा. `पी शोभा सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहाँ उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि लेन—देन का हिसाब ऑनलाइन होने के कारण वह रजिस्टर पेश नहीं कर सकी।

इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक के.के. यादव और उनकी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

पिलखा भूमि संदेश

प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले के अन्य राशन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। पिलखा भूमि अपने पाठकों से अपील करता है कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी दिखने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें।

राम मंदिर रोड अग्निकांड- मौत के सौदागरों ने घनी आबादी के बीच बिछा रखा था बारूद का ढेर, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने खोला मोर्चा!

अम्बिकापुर के हृदय स्थल में श्मुकेश प्लास्टिकश की घोर लापरवाही से दहला शहरय संचालक पर थ्त दर्ज करने एसपी को सौंपा गया पत्र

पिलखाभूमि समाचार अम्बिकापुर

शहर के व्यस्ततम राम मंदिर रोड स्थित श्मुकेश प्लास्टिक एवं पटाखा गोदामश में लगी भीषण आग ने न केवल करोड़ों की संपत्ति राख कर दी, बल्कि सैकड़ों जिंदगियों को मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया। इस हृदय विदारक घटना ने प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे मौत के काले कारोबार की पोल खोल दी है। घनी आबादी के बीच अवैध रूप से बारूद और प्लास्टिक का भंडार करने वाले संचालक की गुंडागर्दी और लापरवाही के खिलाफ अब शहर के जागरूक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है।

लापरवाही नहीं, यह श्अक्षम्य अपराध है!

अंकुर सिन्हा, सुरेश राम बुनकर, सुजान बिन्द और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक (**SP**) को सौंपे गए पत्र में कड़े शब्दों में कहा है कि यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि व्यावसायिक लाभ के लिए मासूम नागरिकों की जान से खिलवाड़ करने वाला एक अक्षम्य अपराध है।

शिकायती पत्र के मुख्य तीखे बिंदु

अवैध भंडारणरू रिहायशी इलाके में बिना किसी सुरक्षा मानक और प्रशासन की अनुमति के विस्फोटक पटाखों और जहरीले प्लास्टिक का थोक स्टॉक जमा किया गया था।

मौत का तांडवरू 23 अप्रैल की दोपहर 1 बजे जब आग लगी, तो पटाखों के धमाकों और प्लास्टिक के जहरीले धुएं ने पूरे मोहल्ले में अफरा—तफरी मचा दी। लोग अपनी जान बचाने के लिए बदहवास इधर—उधर भागते रहे।

चेतावनी को किया अनसुनारू मोहल्लेवासियों ने पहले भी इस अवैध गोदाम पर भय व्यक्त किया था, लेकिन संचालक की रसूख के आगे किसी की न चली।

इन धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दो टूक शब्दों में संचालक मुकेश के विरुद्ध भारतीय न्याय सं. हता (**BNS**) की सख्त धाराओं के तहत थ्त दर्ज करने की मांग की हैरू

धारा 287 घोर लापरवाही बरतने हेतु।

धारा 125 नागरिकों के जीवन को संकट में डालने हेतु।

धारा 199 सार्वजनिक सुरक्षा की गंभीर उपेक्षा।

विस्फोटक अधिनियम (9B) अवैध बारूद भंडारण।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल?

राम मंदिर रोड जैसे वीआईपी इलाके में इतना बड़ा अवैध स्टॉक किसके संरक्षण में फल—फूल रहा था? क्या प्रशासन किसी बड़ी जनहानि का इंतजार कर रहा था? सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि संच. `लक के विरुद्ध तत्काल कठोर दंडात्मक कार. `वाई नहीं हुई, तो वे चुप नहीं बैठेंगे।

व्यावसायिक मुनाफे के लिए शहरवासियों की जान को दांव पर लगाने वालों को सलाखों के पीछे होना चाहिए। यह आग की लपटें नहीं, प्रशासन की नाकामी का धुआं है। अंकुर सिन्हा व अन्य (सामा. जिक कार्यकर्ता)

जांच की प्रक्रिया शुरू, पुलिस प्रशासन का पक्ष

पिलखाभूमि ने इस पूरे मामले की गंभीरता को लेकर पुलिस प्रशासन से संपर्क साधा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा सौंपे गए शिकायती पत्र को संज्ञान में ले लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि अग्निकांड के कारणों और भंडारण की वैधता की तकनीकी जांच की जा रही है। जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या अवैध भंडारण की पुष्टि होने पर आरोपी संचालक के विरुद्ध कानून सम्मत कड़ी दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर बारीकी से नजर रखे हुए है।

पेंड्रा के मेधावी विद्यार्थियों से वीडियो कॉल पर जुड़े मंत्री राजेश अग्रवाल

पिलखाभूमि रायपुर

30 अप्रैल 2026 छत्तीसगढ़ में बोर्ड परीक्षाओं में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कै. बिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने प्रभार क्षेत्र पेंड्रा के मेधावी विद्यार्थियों ताहिरा खान, भूमिका और ओंकार केंवट से वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद किया। इस दौरान उन्हा. `ने विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी लगन और मेहनत के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की मुख्य परीक्षा में सफल होने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके अभिभावकों और गुरुजनों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई और जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

manish -pilkha bhoomi sursjpur mastar 026 jan_manish 30-04-2026 14:37 Page 2

स्वबरदार! जशपुर में अब साहब भी नहीं बचेंगे हेलमेट नहीं पहना तो कलेक्ट्रेट में ही कट गया 28 कर्मचारियों का चालान

पिलखाभूमि समाचार जशपुर

में नियम अब सबके लिए बराबर हैं। अगर आप सोचते हैं कि सरकारी कुर्सी पर बैठकर आप नियमों को ठेंगा दिखा देंगे, तो यह आपकी बड़ी भूल है। कलेक्टर और पुलिस कप्तान के सख्त तेवरों ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मचा दिया।

कलेक्ट्रेट बना श्चेक पोस्टश, रडार पर आए लापरवाह कर्मचारी

गुरुवार को जशपुर कलेक्ट्रेट का नजारा बदला हुआ था। पुलिस की पैनी नजरें आम जनता पर नहीं, बल्कि दफ्तर आने वाले श्बाबुओंश और श्अधिकारियोंश पर थीं। जो कर्मचारी बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के टशन में दफ्तर दाखिल हो रहे थे, उन्हें गेट पर ही रोक लिया गया। नतीजा यह हुआ कि 28 शासकीय कर्मचारियों की जेब ढीली हुई और मौके पर ही 14,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

साहब का दो टूक संदेशरू ष्नियम तोड़ोगे तो भुगतोगे

कलेक्टर रोहित व्यास और डीआईजीध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने साफ कर दिया है कि अनुशासन की शुरुआत श्घरश से होती है।

दो दिन पहले रैली निकालकर हाथ जोड़कर समझाया गया था, लेकिन जो नहीं सुधरे, उनके खिलाफ आज प्रशासन ने श्हंटरश चला दिया। सरकारी तंत्र खुद उदाहरण पेश करे, तभी जनता मानेगी। नियम सबके लिए एक हैं, लापरवाही की कोई जगह नहीं।

अभी तो ये शुरुआत है, पूरे जिले में मचेगा हड़कंप

अगर आप किसी दूसरे विभाग में हैं और सोच रहे हैं कि आप बच गए, तो सावधान! प्रशासन ने संकेत दे दिए हैं कि यह अभियान अब जिले के हर सरकारी दफ्तर तक पहुँचेगा। पुलिस की टीमें कभी भी, कहीं भी दस्तक दे सकती हैं।

पिलखा भूमि की अपील

हेलमेट सिर पर बोझ नहीं, आपकी सुरक्षा का कवच है। चालान के डर से नहीं, अपनी जान की फिक्र के लिए हेलमेट पहनें। क्योंकि घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है।

बने रहें पिलखा भूमि समाचार के साथ.खबर वो जो सच दिखाए।

ऑपरेशन तलाश- सूरजपुर पुलिस ने सात समंदर पार नहीं पर गुजरात के सूरत से ढूंढ निकाला लापता महिला को परिजनों के खिले चेहरे

पिलखाभूमि समाचार

सूरजपुर पुलिस का ऑपरेशन तलाश उन परिवारों के लिए उम्मीद की नई किरण बन गया है जिनके अपने खो गए हैं। इसी अभियान के तहत करंजी चौकी पुलिस ने एक महिला को गुजरात के सूरत से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

फरवरी से लापता थी महिला, पति की गुहार पर जागी पुलिस

मामला 6 फरवरी 2026 का है, जब करंजी क्षेत्र के एक ग्रामीण ने चौकी में अपनी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ति पति जब काम से घर लौटा, तो पत्नी गायब थी। रिश्तेदारों और गांव में काफी खोजबीन के बाद भी जब सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की।

मोबाइल और आधार कार्ड ने खोला राज

डीआईजी और एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर गुमशुदा लोगों की तलाश तेज की गई। जांच के दौरान चौकी प्रभारी संतोष सिंह को पता चला कि महिला अपने साथ मोबाइल और आधार कार्ड लेकर गई है। बस इसी सुराग को पुलिस ने पकड़ लिया और तकनीकी मदद (लोकेशन ट्रेसिंग) के जरिए पता चला कि महिला छत्तीसगढ़ से कोसों दूर सूरत, गुजरात में है।

गुजरात पहुंची पुलिस टीम, मेहनत लाई रंग

सटीक लोकेशन मिलते ही करंजी पुलिस की एक विशेष टीम तुरंत सूरत रवाना हुई। वहां के भीड़भाड़ वाले इलाकों में कड़ी मशक्कत और खोजबीन के बाद आखिरकार पुलिस ने महिला को ढूंढ निकाला। कानूनी औपचारि. कताएं पूरी करने के बाद महिला को वापस सूरजपुर लाया गया और उसके रोते-बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

इन जांबाजों की रही मुख्य भूमिका

इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में चौकी प्रभारी संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक हरविन्दर सिंह, आरक्षक रूपेश राय और महिला आरक्षक कमलावती सिदार की अहम भूमिका रही। सूर. जपुर पुलिस की इस संवेदनशीलता और मुस्तैदी की पूरे जिले में सराहना हो रही है।

सच्ची और सटीक खबरों के लिए बने रहें पिलखा भूमि के साथ।

अनुशासन की मिसाल- सूरजपुर पुलिस लाइन में जनरल परेड, डीआईजी ने परखा जवानों का जोश और तालमेल

पिलखाभूमि समाचार सूरजपुर

पुलिस बल की कार्यक्षमता, अनुशासन और शारीरिक दक्षता को धार देने के उद्देश्य से शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 को पुलिस लाइन सूरजपुर में भव्य श्जनरल परेडश का आयोजन किया गया। इस दौरान जवानों के बीच गजब का उत्साह, जोश और बेहतरीन तालमेल देखने को मिला, जिसने पुलिस विभाग की कार्य-संस्कृति की एक सशक्त तस्वीर पेश की।

बारीकी से हुआ निरीक्षण

डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर, श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने जवानों के श्टर्नआउटश (वर्दी और साज-सज्जा), ड्रिल के स्तर और अनुशासन का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परेड की बारीकियों

पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों और जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

फिटनेस और सकारात्मकता पर जोर

फील्ड में बेहतर प्रदर्शन के लिए फिटनेस को अनिवार्य बताते हुए एसएसपी ने कहा कि पुलिस का काम चुनौतीपूर्ण है, इसलिए जवानों को शारीरिक और मान. सिक रूप से फिट रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों और जवानों कोरू

नियमित व्यायाम करने, अनुशासित दिनचर्या का पालन करने, और हमेशा सकारात्मक सोच रखने के लिए प्रेरित किया।

अपराधियों पर कड़ी नजर के निद. श

कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फील्ड में सक्रियता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि आपराधिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की कड़ी नजर होनी चाहिए ताकि आम जनता में सुरक्षा का भाव और अधिक मजबूत हो सके।

इन अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस महत्वपूर्ण परेड के दौरान एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, डीएसपी (अजाक) रीना नीलम कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित विभिन्न थानों और चौकियों के प्रभारी एवं भारी संख्या में पुलिस बल के अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

पिलखा भूमि विशेष

यह परेड न केवल पुलिस के अनुशासन को दर्शाती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था अनुभवी और शारी. रिक रूप से सक्षम हाथों में है।

भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच सड़ कों पर डटे (स्वाकी के साथी) प्रमुख चौक-चौराहों पर मुस्तैदी की मिसाल

पिल्खाभूमि अंबिकापुर

सरगुजा संभाग में सूरज की तपिश और भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को झकझोर कर रख दिया है। पारा चढ़ने के साथ ही सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है, लेकिन ऐसी विषम परिस्थितियों में भी पुलिस के जवान और ट्रैफिक कांस्टेबल शहर की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अंगारों की तरह तपती सड़कों पर डटे हुए हैं।

रेंज आईजी और एसपी के कड़े निर्देश. स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ निभाएं कर्तव्य

भीषण गर्मी की गंभीरता को देखते हुए सरग. जा रेंज आईजी और पुलिस अधीक्षक **SP** द्वारा विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने निर्देशित किया है कि इस चिलचिलाती धूप में तैनात सभी जवान बारी-बारी (रोटेशन) से अपनी ड्यूटी करेंगे ताकि शारीरिक थकान और अत्यधिक गर्मी का असर उन पर न पड़े। साथ ही, जवानों को डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचने के लिए लगातार पानी पीने, नींबू पानी या ओआरएस (**ORS**) का उपयोग करने की सख्त हिदायत दी गई है। अधिकारियों का स्पष्ट संदेश है कि सुरक्षा के साथ-साथ जवानों का स्वास्थ्य भी सर्वोपरि है।

प्रमुख चौकों पर मुस्तैदी की मिसाल

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शहर के प्रमुख चौकों पर ट्रैफिक पुलिस के जवान पूरी गंभीरता के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैंअम्बेडकर चौकरू यहाँ आर० 851 प्रदीप खालखो तैनात हैं और सुचारू आवागमन सु. निश्चित कर रहे हैं।

गांधी चौकरू यहाँ आर० 449 कुंजलाल सोरी यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए हुए हैं। महामाया चौकरू यहाँ आर० 617 संजीत मिर्रे ट्रैफिक नियंत्रित कर रहे हैं।

बिलासपुर चौकरू यहाँ आर० 857 हरदयाल सिंह यातायात व्यवस्था को संभालने में लगे हुए हैं।

स्वास्थ्य की चिंता छोड़, जनता की सुरक्षा सर्वोपरि

भीषण गर्मी में घंटों खड़े रहने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, बावजूद इसके प्रशासन के ये सिपाही बिना रुके मोर्चा संभाले हुए हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस के इस समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जब लोग घरों में कूलर और एसी के नीचे छिपे हैं, तब ये जवान धूल और धुएं के बीच सड़कों पर व्यवस्था बना रहे हैं, ताकि किसी को जाम या दुर्घटना का सामना न करना पड़े।

प्रशासनिक मुस्तैदी और मानवीय चेहरा

इन प्रमुख चौकों पर तैनात पुलिस कर्मी न केवल यातायात संभाल रहे हैं, बल्कि प्यास से बेहाल राहगीरों की मदद करते हुए मानवीय चेहरा भी पेश कर रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जवानों के लिए शीतल जल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की निगरानी भी की जा रही है।

कड़ी धूप में वर्दी का यह फर्ज अंबिकापुर की जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जो हमें यह याद दिलाता है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमारे जवान कितनी बड़ी चुनौतियों का सामना करते हैं।

manish -pilkha bhoomi sursjpur mastar 026 jan_manish 30-04-2026 14:37 Page 3

प्रतापपुर वन विभाग का आरटीआई स्कैम 14 आवेदनों पर कुंडली मार कर बैठे रेंजर, स्पष्ट सवालों पर परोस रहे हैं तर्कहीन और हास्यास्पद जवाब

पिलखाभूमि समाचार .प्रतापपुर सूरजपुर

भ्रष्टाचार जब अपनी तमाम सीमाएं लांघ जाता है, तो सरकारी अधिकारी नियमों को ढाल नहीं, बल्कि अपना हथियार बना लेते हैं। प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में वर्तमान में यही स्थिति निर्मित हो रही है। पिलखा भूमि द्वारा लगातार किए जा रहे खुलासों और 14 अलग–अलग आरटीआई के माध्यम से पूछे गए तीखे सवालों ने विभाग की चूलें हिला दी हैं। नतीजा यह है कि विभाग अब जानकारी देने के बजाय जनता और मीडिया के समक्ष शहास्यास्पदश और तकनीकी बहानेबाजी परोस रहा है।

14 आरटीआई का मजाक अधिकतर जवाब शनिरंकश, बाकी में टालमटोल

संपादक मनीष द्वारा विभाग की कार्यप्रणाली को आईना दिखाने के लिए कुल 14 आरटीआई लगाई गई थीं। विभाग की शपारदर्शिताश का तमाशा देखिएक् इन 14 आरटीआई में से अधिकतर का जवाब विभाग ने शनिरंकश (शून्य) दिया है, जिसका सीधा निहितार्थ यही है कि क्या विभाग के पास करोड़ों के कार्यों का कोई दस्तावेजी साक्ष्य ही मौजूद नहीं है?

वहीं, जो इक्का–दुक्का जवाब दिए जा रहे हैं, उनमें ताजे पत्र (क्रमांक 1075) की तरह शतर्कहीन जवाबश दिया जा रहा है कि जानकारी शअस्पष्टश है। पिलखा भूमि का सीधा प्रश्न है कि रेंजर साहब, जब आवेदन में स्पष्ट रूप से शकैम्पा मदश से स्वीकृत समस्त कार्यों का विवरण, बिल और फोटो मांगे गए हैं, तो यह विभाग को शअस्पष्टश किस आधार पर प्रतीत हो रहा है?

संपादक की सीधी चुनौतीरू विभाग दे आदेश की प्रमाणित प्रति!

प्रतापपुर वन विभाग सूचना प्रदान करने से बचने के लिए शराजमंगल पाण्डेय विरुद्ध महिला एवं बाल विकास विभागश के एक पुराने फैसले का अत्यंत भ्रामक सहारा ले रहा है। इस पर पिलखा भूमि की

कार्यालय वनपरिक्षेत्राधिकारी, वन परिक्षेत्र प्रतापपुर
Email -ID ropratappur1@gmail.com

क्रमांक/ 1075 प्रतापपुर, दिनांक 11-4-026

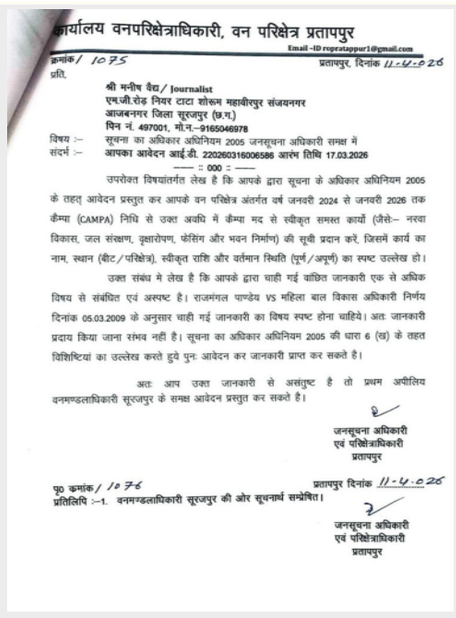

प्रति,
श्री मनीष वैद्य/ Journalist
एम.जी.रोड़ नियर टाटा शोरूम महावीरपुर संजयनगर
आजबनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.)
पिन नं. 497001, मो.नं.–9165046978

विषय :– सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 जनसूचना अधिकारी समक्ष में
संदर्भ :– आपका आवेदन आई.डी. 220260316006586 आरंभ तिथि 17.03.2026

—— :: 000 :: ——

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आपके द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत् आवेदन प्रस्तुत कर आपके वन परिक्षेत्र अंतर्गत वर्ष जनवरी 2024 से जनवरी 2026 तक कैम्पा (CAMPA) निधि से उक्त अवधि में कैम्पा मद से स्वीकृत समस्त कार्यो (जैसे:– नरवा विकास, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, फेंसिंग और भवन निर्माण) की सूची प्रदान करें, जिसमें कार्य का नाम, स्थान (बीट/परिक्षेत्र), स्वीकृत राशि और वर्तमान स्थिति (पूर्ण/अपूर्ण) का स्पष्ट उल्लेख हो।

उक्त संबंध मे लेख है कि आपके द्वारा चाही गई वांछित जानकारी एक से अधिक विषय से संबंधित एवं अस्पष्ट है। राजमंगल पाण्डेय VS महिला बाल विकास अधिकारी निर्णय दिनांक 05.03.2009 के अनुसार चाही गई जानकारी का विषय स्पष्ट होना चाहिये। अतः जानकारी प्रदाय किया जाना संभव नहीं है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6 (ख) के तहत विशिष्टियां का उल्लेख करते हुये पुनः आवेदन कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

अतः आप उक्त जानकारी से असंतुष्ट है तो प्रथम अपीलिय वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

जनसूचना अधिकारी
एवं परिक्षेत्राधिकारी
प्रतापपुर

पृ० क्रमांक/ 1076 प्रतापपुर दिनांक 11-4-026
प्रतिलिपि :–1. वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर की ओर सूचनार्थ सम्प्रेषित।

जनसूचना अधिकारी
एवं परिक्षेत्राधिकारी
प्रतापपुर

ओर से विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी गई हैरू

प्रतापपुर रेंजर जिस शराजमंगल पाण्डेयश आद.`श की आड़ ले रहे हैं, पिलखा भूमि उन्हें चुना.“ती देता है कि वे उस आदेश की प्रमाणित प्रति हमें तत्काल उपलब्ध कराएं। विभाग यह स्पष्ट करे कि लोक हित में मांगे गए शदस.तावेजश (जैसे बिल, वाउचर, मस्टर रोल) उस आदेश के दायरे में कैसे आते हैं? क्या विभाग भ्रष्टाचार को ढकने के लिए माननीय न्यायालय के आदेशों की गलत व्याख्या कर रहा है?

विभाग को यह विधिक सत्य स्वीकार करना होगा कि उक्त कोर्ट केस केवल ष्काल्पनिक स्पष्टीकरणष देने को प्रतिबंधित करता है, किंतु विभाग के रिकॉर्ड में संधारित सरकारी दस्तावेजों को प्रदान करने से कदापि नहीं रोकता। इस केस का अनुचित संदर्भ देना केवल सूचना में विलंब करने और वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने की एक निष्फल कोशिश है।

4 खबरें और व्हाट्सएप पर मौन

प्रतापपुर वन विभाग पर पूर्व में भी 4 खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की जा चुकी हैं। पत्रकारिता के आदर्शों का पालन करते हुए जब इस संपूर्ण प्रकरण पर परिक्षेत्राधिकारी (रेंजर) का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो वहां भी निरुत्तरता मिली। संपादक मनीष ने रेंजर साहब को बाकायदा व्हाट्सएप पर संदेश प्रेषित कर प्रत्युत्तर मांगा, परंतु उन्होंने उत्तर देना भी उचित नहीं समझा। विभाग की यह खामोशी स्वयं प्रमाणित कर रही है कि पर्दे के पीछे बहुत कुछ छिपाया जा रहा है।

सूरजपुर डीएफओ के पास प्रथम अपील क्या मिलेगा न्याय?

विभाग की इस मनमानी के विरुद्ध अब सूरजपुर डीएफओ (क्थ्व्) के समक्ष शप्रथम अपीलश प्रस्तुत की गई है। पिलखा भूमि ने अब इस संघर्ष को सीधे उच्चाधिकारियों की चौखट तक पहुँचा दिया है। अब यह देखना विचारणीय होगा कि सूरजपुर डीएफओ इस मामले में क्या निर्णय लेते हैं? क्या वे एक उत्तरदायी अधिकारी की भांति निष्पक्ष जांच कर न्याय सुनिश्चित करते हैं, या फिर अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा परोसे जा रहे इस शतर्कहीन जवाबश को ही शिरोधार्य कर लेते हैं?

खुलासा अभी जारी है अगले अंक में आएंगे चौंकाने वाले साक्ष्य!

पिलखा भूमि के पास इस पूरे प्रकरण से जुड़े कई पुख्ता और सनसनीखेज पहलू सुरक्षित हैं, जिन्हें हम अगले अंक में दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ सार्वजनिक करेंगे। साथ ही, केवल प्रतापपुर ही नहीं, बल्कि संभाग के अन्य विभागों के कारनामों की फाइलें भी अब खुल चुकी हैं। बहुत जल्द संभाग के अन्य विभागों के गंभीर मामले भी जनता की अदालत में उजागर होंगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध पिलखा भूमि का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ का बरनवापारा अभयारण्य बना विलुप्ति के कगार पर पहुंचे काले हिरणों के पुनर्जीवन का मजबूत उदाहरण

स्थानीय विलुप्ति से लेकर लगभग 200 की संख्या तक पहुँचे काले हिरण रू 'मन की बात' में मिली राष्ट्रीय पहचान

पिलखाभूमि समाचार रायपुर

26 अप्रैल 2026 यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम शमन की बातश के आज के प्रसारण में छत्तीसगढ़ के काले हिरण के संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए सराहना की। इसने न केवल छत्तीसगढ़ की पहचान को सुदृढ़ किया है, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे लोगों का मनोबल भी बढ़ाया है। इस उल्लेख से राज्य की पर्यावरणीय पहल राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से सामने आई हैं और बारनवापारा अभयारण्य को नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में शमन की बातश कार्यक्रम की 133वी कड़ी के श्रवण के बाद यह बात कही।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के बलौदाबा.जार–भाटापारा जिले में स्थित, लगभग 245 वर्ग किलोमीटर में फैला बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य आज वन्यजीव संरक्षण की एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में उभरा है।

एक समय ऐसा था जब यह अभयारण्य अपने प्रमुख वन्यजीव – काले हिरण – से लगभग खाली हो चुका था। लेकिन अब यही क्षेत्र करीब 200 काले हिरणों (ब्लैकबक) का सुरक्षित आवास बन गया है। यह उपलब्धि योजनाबद्ध प्रयास, वैज्ञानिक प्रबंधन और नि.रंतर निगरानी का परिणाम है।

बारनवापारा के खुले घास के मैदानों में काले हिरणों (**Antilope cervicapra**) की सक्रिय मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि लंबे समय बाद भी किसी प्रजाति को उसके प्राकृतिक परिवेश में पुनर्स्थापित किया जा सकता है। जो क्षेत्र कभी सूना हो गया था, वह अब पुनर्जीवन की एक सशक्त कहानी प्रस्तुत कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में इस उपलब्धि तक पहुंचने की प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण रही है। 1970 के दशक के बाद अतिक्रमण और प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण काले हिरण इस क्षेत्र से लगभग समाप्त हो गए थे और करीब पांच दशकों तक यहां स्थानीय रूप से विलुप्त रहे।

अप्रैल 2018 में आयोजित राज्य वन्यजीव बोर्ड की नौवीं बैठक में पुनर्स्थापन योजना को स्वीकृति मिलने के बाद स्थिति में बदलाव आया। इसके बाद एक सुविचारित योजना के तहत काले हिरणों को फिर से बसाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप उनकी संख्या बढ़कर लगभग 200 तक पहुंची और इस सफलता को रविवार को प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी उल्लेखित किया गया।

संरक्षण के शुरुआती चरण में कई चुनौतियां सामने आईं। वन अधिकारियों के अनुसार, निमोनिया के कारण लगभग आठ काले हिरणों की मृत्यु हुई, जिसके बाद प्रबंधन प्रणाली में सुधार किए गए। बाड़ों में मजबूत सतह के लिए रेत की परत बिछाई गई, जलभराव रोकने के लिए उचित निकासी व्यवस्था विकसित की गई, अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाया गया और एक समर्पित पशु चिकित्सक की नियुक्ति की गई।

इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप काले हिरणों की आबादी पहले स्थिर हुई और फिर धीरे–धीरे बढ़ने लगी। बेहतर पोषण, नियमित निगरानी और अनुकूल वातावरण के कारण आज इनकी संख्या लगभग 200 तक पहुंच चुकी है। यह इस बात का संकेत है कि ये अपने नए परिवेश में सफलतापूर्वक अनुकूलित हो चुके हैं और भविष्य में इन्हें खुले जंगल में छोड़ने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करता है।

काले हिरण के बारे में

काला हिरण (ब्लैकबक) भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला एक संकटग्रस्त मृग है। नर काले हिरण का रंग गहरा भूरा से काला होता है, उसके लंबे सर्पिलाकार सींग होते हैं और शरीर का निचला भाग सफेद होता है। मादा काले हिरण हल्के भूरे रंग की होती हैं और सामान्यतः उनके सींग नहीं होते। यह प्रजाति खुले घास के मैदानों में पाई जाती है और दिन के समय सक्रिय रहती है। इसका मुख्य आहार घास और छोटे पौधे होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 74 से 84 सेंटीमीटर होती है। नर का वजन 20 से 57 किलोग्राम के बीच और मादाओं का 20 से 33 किलोग्राम तक होता है। नर काले हिरण की सर्पिलाकार सींगें, जो लगभग 75 सेंटीमीटर तक लंबी हो सकती हैं, इन्हें आसानी से पहचानने योग्य बनाती हैं।

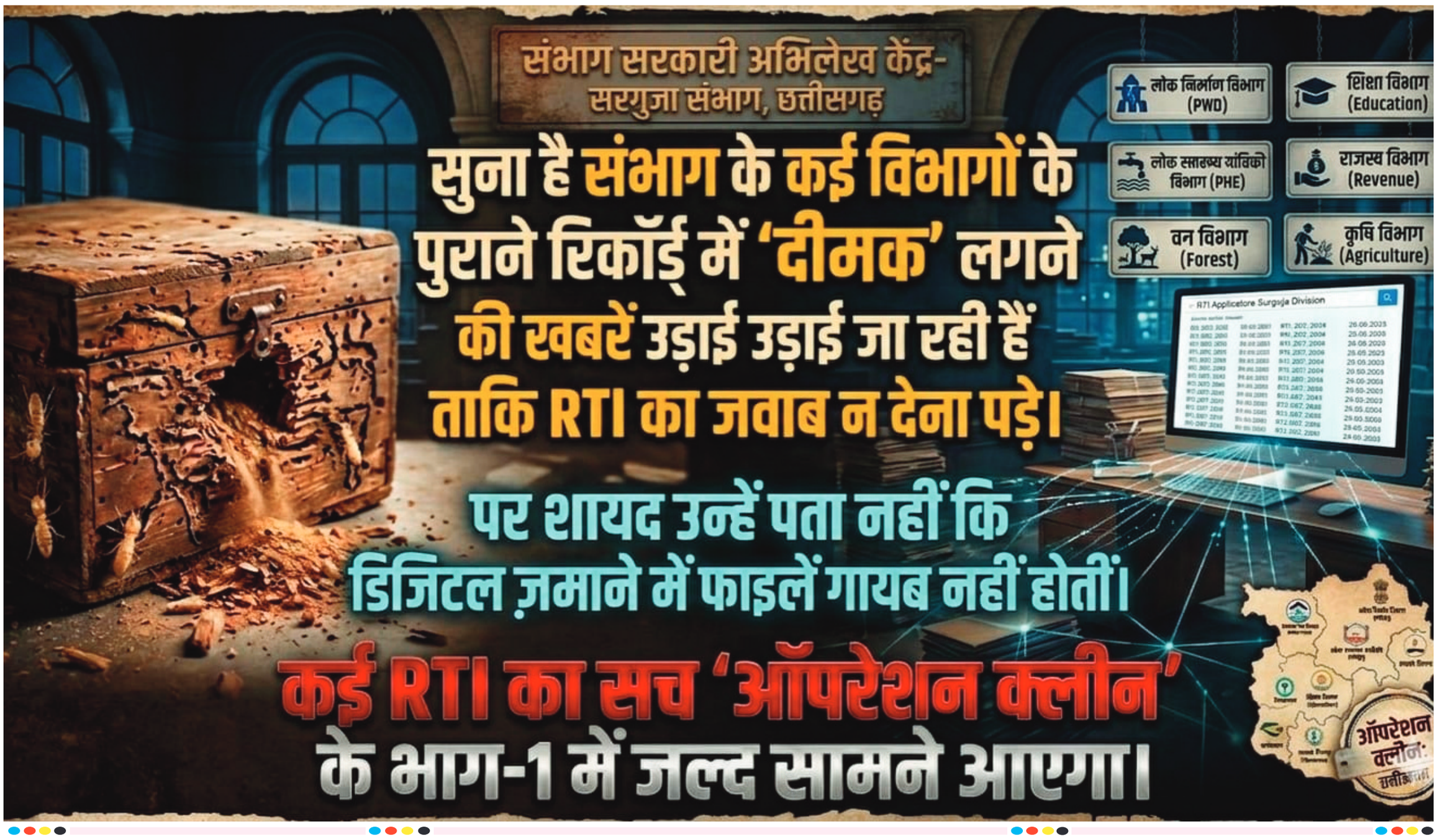

manish -pilkha bhoomi sursjpur mastar 026 jan_manish 30-04-2026 14:37 Page 4

वन मंत्री केदार कश्यप ने दहिकोंगा तेंदूपत्ता फड़ का किया निरीक्षण

पिलखाभूमि समाचार कोंडागांव

26 अप्रैल 2026 वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज रविवार को कोंडागांव जिले के दहिकोंगा स्थित तेंदूपत्ता फड़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तेंदूपत्ता की गुणवत्ता देखी और संग्राहकों को हो रहे ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मंत्री कश्यप ने दो संग्राहकों के मोबाइल में स्वयं ऑनलाइन एंट्री कर भुगतान प्रक्रिया को पूरा कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेंद. ूपत्ता संग्राहकों को पारदर्शी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है।

वन मंत्री ने संग्राहकों से सीधे संवाद कर उन्हें "तेंदूपत्ता तिहार" की बधाई और शुभकामनाएं दीं तथा शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े श्रमिकों की आय बढ़ाने और उनकी सुविधाओं में सुधार के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

इस अवसर पर कोंडागांव के वन मंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह, संयुक्त वन मंडलाधिकारी डॉ. आशीष कोटरिवार, परिक्षेत्र अधिकारी कोंडागांव, परिक्षेत्र अधिकारी दहिक. ोंगा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उप. स्थित रहे।

ईमानदारी अभी जिंदा हैरू सड़क पर बिखरे मिले 13 हजार रुपये, युवक ने थाने पहुँचकर पेश की मिसाल

अम्बिकापुर (पिलखा भूमि)।

कलियुग के इस दौर में जहाँ इंसानियत और ईमानदारी धीरे–धीरे कम होती दिख रही है, वहीं सरगुजा संभाग के गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने ईमानदारी की ऐसी मिसाल पेश की है जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है। रास्ते में मिले लावारिस हजारों रुपयों को देखकर युवक का ईमान नहीं डोला और उसने तत्काल थाने पहुँचकर पूरी रकम पुलिस के सुपुर्द कर दी।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार (28 अप्रैल 2026) को मूलतः इंद्रपुर कुदरगढ़ (थाना ओड़गी) निवासी और वर्तमान में गांधीनगर के मुक्तिपारा में रहने वाले मनोज कुमार सिंह (पिता केशव प्रसाद सिंह, उम्र 22 वर्ष) गांधीनगर सब्जी मार्केट के पास बस से उतरे थे। वे पैदल ही अपने किराए के मकान की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान उन्होंने देखा कि सब्जी मंडी से हनुमान मंदिर की ओर जा रहे एक स्कूटी सवार व्यक्ति (जिसने पीले रंग की शर्ट पहनी थी) की जेब से कुछ रुपये सड़क पर गिरकर बिखर गए। जब तक मनोज कुछ समझ पाते, स्कूटी सवार युवक आगे निकल चुका था।

लालच पर भारी पड़ी नैतिकता

मनोज कुमार सिंह ने सड़क पर बिखरे नोटों को इकट्ठा किया, तो वह कुल 13,000 रुपये थे। उस वक्त आसपास कोई मौजूद नहीं था, लेकिन मनोज ने उन रुपयों को अपने पास रखने के बजाय सीधे गांधीनगर थाना जाने का फैसला किया। उन्होंने थाने पहुँचकर ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों को पूरी घटना की जानकारी दी और बरामद किए गए 13,000 रुपये सुरक्षित जमा करा दिए।

पुलिस ने की युवक की सराहना

गांधीनगर थाना प्रभारी ने युवक की इस कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी की जमकर सराहना की। पुलिस ने बताया किरू

मनोज कुमार सिंह जैसे जागरूक और ईमानदार युवाओं की वजह से ही समाज में विश्वास कायम है। उनकी इस ईमानदारी के लिए उन्हें प्रोत्सा. हित किया गया है।

असली मालिक को तलाश रही पुलिस

थाना गांधीनगर पुलिस ने उक्त 13,000 रुपये की राशि को सुरक्षार्थ जमा कर लिया है। पुलिस ने अपील की है कि जिस भी स्कूटी सवार व्यक्ति की यह रकम गिरी है, वह उचित प्रमाण और पहचान के साथ थाना गांधीनगर आकर अपनी राशि प्राप्त कर सकता है।

संपादकीय टिप्पणी

पिलखा भूमि परिवार मनोज कुमार सिंह के इस जज्बे को सलाम करता है। आपकी एक छोटी सी ईमानदारी किसी जरूरतमंद की बड़ी समस्या हल कर सकती है।

छत्तीसगढ़ में सयानों का सम्मान विष्णु देव सरकार ने बुना वरिष्ठ नागरिकों के लिए मजबूत सुरक्षा तंत्र

पिलखाभूमि समाचार रायपुर

28 अप्रैल 2026 छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के लिए श्श्रवण कुमारश की भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेश में बुजुर्गों के लिए एक ऐसा सामाजिक सुरक्षा तंत्र विकसित किया गया है, जो उन्हें आर्थिक आजादी के साथ–साथ सम्मानजनक जीवन की गारंटी दे रहा है।

दस्तावेजों का झंझट खत्म, आधार ही पहचान

सरकार ने योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया है। अब बुजुर्गों को किसी विशेष ष्सीनियर सिटीजन कार्डष के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। केवल आधार कार्ड के जरिए ही पात्रता का सत्यापन कर उन्हें योजनाओं का सीधा लाभ दिया जा रहा है।

छत, भोजन और विशेष स्वास्थ्य देखभाल

राज्य में निराश्रित बुजुर्गों के लिए सुविधाओं का जाल बिछाया गया हैरू

वृद्धाश्रम प्रदेश के विभिन्न जिलों में 27 वृद्धाश्रम संचालित हैं, जहाँ 675 बुजुर्ग गरिमापूर्ण जीवन बिता रहे हैं। यहाँ आवास और भोजन पूरी तरह निःशुल्क है।

पैलिएटिव केयर (प्रशामक गृह) जो बुजुर्ग गंभीर बीमारी के कारण बिस्तर पर हैं, उनके लिए 13 विशेष केंद्र चलाए जा रहे हैं। वर्तमान में रायपुर, दुर्ग, और रायगढ़ सहित अन्य जिलों में 140 बुजुर्गों की चौबीसों घंटे देखभाल की जा रही है।

आर्थिक संबलरू पेंशन और सहायक उपकरण

बुजुर्गों को किसी पर निर्भर न रहना पड़े, इसके लिए सरकार सीधे वित्तीय मदद दे रही हैरू

पेंशनरू बीपीएल श्रेणी के वृद्धों को ₹500 और 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को ₹680 प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है।

उपकरणरू चलने–फिरने या सुनने में असमर्थ बुजुर्गों को ₹6900 तक के सहायक उपकरण (जैसे व्हीलचेयर, चश्मा, श्रवण यंत्र और छड़ी) मुफ्त दिए जा रहे हैं।

आस्था का सफररू 10 हजार से अधिक ने की तीर्थ यात्रा

बुजुर्गों के मानसिक और आध्यात्मिक सुख के लिए श्तीर्थ यात्रा योजनाश प्रभावी रूप से लागू है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में अब तक 14 विशेष यात्राओं के माध्यम से 10,694 लाभाि. र्थयों को देश के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा चुके हैं।

हमारा लक्ष्य केवल सहायता देना नहीं, बल्कि बुजुर्गों को समाज की मुख्यधारा में सक्रिय रखना है। उनके अनुभव राज्य की संपत्ति हैं और उनका सम्मान हमारी प्राथमिकता। छत्तीसगढ़ शासन

गौ माता के सम्मान में लटोरी की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब- 14 हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर उठाई श्राष्ट्रमाताश बनाने की मांग

पिलखाभूमि लटोरी (सूरजपुर)

श्गौ सम्मान आह्वान अभियानश के तहत आज लटोरी की धरती भक्ति और संकल्प की साक्षी बनी। संपूर्ण भारत के 6000 तहसीलों में चल रहे इस अभियान की गूंज सूरजपुर जिले के तहसील लटोरी में भी जोरदार तरीके से सुनाई दी। हजारों की संख्या में गौ–प्रेमी, सनातनी माताओं, पुरुषों और युवाओं ने एकजुट होकर गौ माता को श्राष्ट्रमाताश का दर्जा दिलाने के लिए हुंकार भरी।

दशहरा मैदान से तहसील तक श्गौ भक्तिश का सैलाब

सुबह से ही पुलिस चौकी के समीप दशहरा मैदान में उत्साह का माहौल था। गौ प्रेमियों ने सबसे पहले गौ माता का अक्षत, तिलक और आरती के साथ विधिवत पूजन किया। इसके पश्चात राम नाम संकीर्तन और भजों की धुन पर नाचते–झूमते भक्तों की विशाल रैली मुख्य बाजार होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। रैली में गूंजते ष्गौ हत्या बंद होष और ष्गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करोष के नारों ने प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ऐतिहासिक ज्ञापन

तहसील कार्यालय के सामने सामूहिक पूजा के बाद, तहसीलदार को एक महत्वपूर्ण प्रतिवेदन सौंपा गया। यह प्रतिवेदन महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित है।

हस्ताक्षर की शक्तिरू इस ज्ञापन के साथ 14,736 नागरिकों के हस्ताक्षर युक्त मूल प्रति संलग्न की गई है, जो इस मांग की गंभीरता और जन–समर्थन को प्रमाणित करती है।

मुख्य मांग– गौ–वध जैसे जघन्य अपराध पर अविलंब कठोर कानून बनाने और गौ–वंश के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रभावी सरकारी कदम उठाने की मांग पुरजोर तरीके से रखी गई।

क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवियों ने संभाली कमान

इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में श्री सत्यम गर्ग, विजय शर्मा, विवेकानंद ठाकुर, राम राजवाड़े, दिनेश सिंह, विनोद वैष्णव, नूतन विश्वास और मालती सहित हरीश राजवाड़े, ठाकुर पैकरा, ललन राजवाड़े, रितेश गुप्ता और शिव सिंह जैसे सैकड़ों समर्पित गौ प्रेमियों का सराहनीय योगदान रहा।

ऐसी ही खबरों के लिए बने रहें श्पिलखा भूमिश के साथ।

सच्ची खबर, सटीक विश्लेषण।

विशेष लेख - 11 किमी की दूरी नहीं बनी बाधा स्वास्थ्य टीम पहुंची लोहागांव के हर दरवाजे तक

पिलखाभूमि समाचार रायपुर

28 अप्रैल 2026 घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और कठिन रास्तों के बीच बसे लोहागांव में सा. `मवार को स्वास्थ्य सेवाएं सिर्फ एक औपचा. रिकता नहीं, बल्कि भरोसे की दस्तक बनकर पहुंचीं। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बैलाडीला की पहाड़ियों से घिरे विकासखंड कुआकोंडा के इस सुदूर गांव तक पहुंचने के लिए करीब 11 किलोमीटर का पैदल सफर तय किया। ऐसा सफर, जो सामान्य दिनों में भी आसान नहीं माना जाता।

गांव पहुंचने के बाद टीम ने 62 ग्रामीणों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे शामिल रहे, जिनमें कई ऐसे लोग भी थे, जिन्होंने पहली बार इस तरह की समग्र जांच कराई। मलेरिया और सिकल सेल (हीमोग्लोबिन) की जांच के साथ–साथ मोतियाबिंद और कुष्ठ रोग के संभावित मरीजों की पहचान की गई। गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच की गई, वहीं बच्चों का टीकाकरण भी सुनिश्चित किया गया।

जांच के दौरान 4 मरीजों की स्थिति गंभीर पाई गई, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल रेफर किया गया। इनमें एक गर्भवती महिला, एक मोतियाबिंद मरीज और दो मलेरिया पॉजिटिव मरीज शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, समय रहते इन मरीजों की पहचान होना आगे चलकर गंभीर जटिलताओं को रोकने में मद.

दगार साबित होगा।

दरअसल, 13 अप्रैल से शुरू हुए इस अभियान के तहत पूरे जिले में 76 स्वास्थ्य स्थलों के माध्यम से टीमें गांव–गांव पहुंच रही हैं। इसका उद्देश्य केवल उपचार देना नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों में छिपी बीमारियों की समय रहते पहचान कर उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ना है।

लोहागांव जैसे दुर्गम क्षेत्रों में टीम की यह पहुंच इस बात का संकेत है कि अब स्वास्थ्य सेवाएं "इंतजार" नहीं, बल्कि "पहलकदमी" के रूप में सामने आ रही हैं। जहां पहले दूरी और संसाधनों की कमी बड़ी बाधा थी, वहीं अब यही अभियान उन बाधाओं को पार करने की कोशिश करता दिख रहा है।

अजबनगर स्कूल के सितारों ने तहसील लटोरी का मान बढाया 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम में प्रतिभा का डंका!

गुरुओं का मार्गदर्शन और बच्चों का कड़ा परिश्रम लाया सुखद परिणाम

पिलखाभूमि संपादक– मनीष वैध

लटोरी सूरजपुर विकासखंड सूरजपुर और नवगठित तहसील लटोरी के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अजबनगर के छात्र–छात्राओं ने वार्षिक परीक्षा परिणामों में सफलता का नया इतिहास रच दिया है। स्कूल के कई छात्र–छात्राओं ने **80%** और **90%** से अधिक अंक हासिल कर अपनी मेधा का परिचय दिया है।

12वीं बोर्ड– संकायवार गौरवशाली उपलब्धि

12वीं की परीक्षा में कला संकाय से युवराज वैद्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं विज्ञान और वाणिज्य के छात्रों ने भी अपना परचम लहराया।

मेधावी छात्र–छात्राओं की सूची

युवराज वैद्य (कला) **86-4%**
प्रीति देवनाथ (विज्ञान) **84-4%**
जयनारायण यादव (कला) **83-4%**
लवकेश राजवाड़े (कला) **83%**
खुशी विश्वकर्मा (विज्ञान) **80-8%**
रितिका विश्वकर्मा (विज्ञान) **79-4%**
शिवम मंडल (कला) **77-6%**
सोनाक्षी (कला) **71-8%**
रोशन मंडल (वाणिज्य) **68-4%**

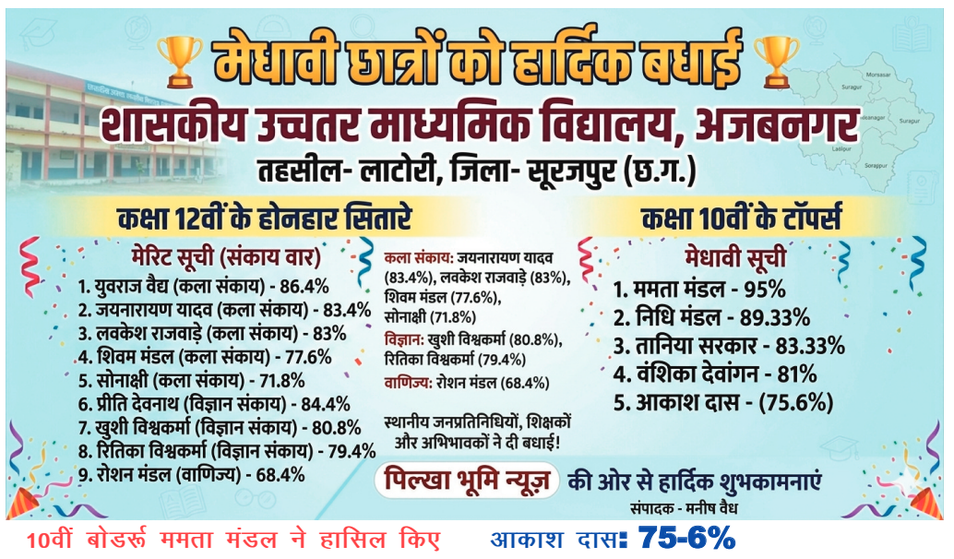

10वीं बोडरू ममता मंडल ने हासिल किए रिकॉर्ड **95%** अंक

कक्षा 10वीं के परिणामों में छात्राओं ने पूरे लाटोरी क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। ममता मंडल ने 95: अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

कक्षा 10वीं के प्रमुख सितारे

ममता मंडल: **95%**
निधि मंडल: **89-33%**
तानिया सरकार: **83-33%**
वंशिका देवांगन: **81%**
आकाश दास: **75-6%**

गुरुओं का आशीर्वाद और पिलखा भूमि की शुभकामनाएं

स्कूल के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और कहा कि इन बच्चों की मेहनत ने आज अजबनगर का नाम रोशन कर दिया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

पिलखा भूमि न्यूज़– परिवार इन सभी होनहारों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

स्वामी, प्रकाशक मनीष वैद्य द्वारा मुद्रक रूपेश दुबे आर्यन ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस पावर हाउस रोड नमना कला अंबिकापुर, जिला सरगुजा छ, ग से मुद्रित करा कर एम,जी रोड संजयनगर (अजबनगर) जिला सूरजपुर छ, ग से प्रकाशित। संपादक - मनीष वैद्य
मो. नं - 9165046978.7583080630 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) समस्त समाचार के विवाद के लिए न्यायालय क्षेत्र सरगुजा मान्य होगा।